

वीर निर्वाण स्माराक-१९८१ (फोल्डर नं. ५४०३३)

सम्पादक - ज्ञानचन्द्र बिल्टीवाला

मुख्य टाइटल

प्रथम खण्ड - महावीर-जीवन सिद्धान्त एवं उपदेश

सन्मति की खिरती वाणी में भरा विश्व का सार है - श्री कल्याणकुमार जैन -----	१
प्रेरणा के पुंज भगवान महावीर - श्री लादूलाल जैन -----	२
महावीर संप्रदायवाद से आवृत्त एक ज्योति पुंज - श्री कपूरचन्द्र जैन -----	४
जय महावीर - श्रीमती सुशीलादेवी जैन -----	७
वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री -----	८
भगवान महावीर का ध्यान नित्य नियमित रूप से करें - श्री अगरचन्द्र नाहटा -----	१२
श्रम और समता के उन्नायक भगवान महावीर - डॉ. महेन्द्रसागर प्रचण्डिया -----	१६
महावीर से हम कितनी दूर कितने पास - श्री ज्ञानचन्द्र बिल्टीवाला -----	१९
भगवान महावीर का मानवतावाद - श्री अशोककुमार -----	२२
महावीर का नारा - श्री प्रसन्नकुमार सेठी -----	२५
तीर्थंकर महावीर और उनके धर्म का स्वरूप - श्री आचार्य राजकुमार जैन -----	२६
भगवान महावीर की आधुनिक युग को देन - श्री राजकुमार जैन एडवोकेट -----	३१
महावीर के उपदेशों को - श्री शर्मनलाल -----	३३
पशु क्रूरता-एक विचारणीय विषय - श्री हीराचन्द्र बैद -----	३४
नैतिक चरित्र के अपरिवर्तनीय आयाम - डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन -----	४१
अनन्त जीवन के साथी - श्री राजकिशोर जैन -----	४५
महावीर का आह्वान - श्री अनूपचन्द्र न्यायतीर्थ -----	४६
वीर वन्दना - डॉ. शोभानाथ पाठक -----	४८
उपदेश सन्मति ने दिये हैं - श्री हजारीलाल काका -----	४९
पुनः जरूरत है इस युग को महावीर के सन्देश की - श्री ज्ञानचन्द्र ज्ञानेन्द्र -----	५०
ज्ञान आत्मा का गुण - सुश्री राजकुमारी जैन -----	५१
अचौर्य (अस्तेय) व्रतः आधुनिक सन्दर्भ में - डॉ. राजेन्द्रकुमार बंसल -----	५४
महावीर मनीषइयों दृष्टि में - सं. राकेश कुमार छाबड़ा -----	५८

द्वितीय खण्ड - भगवान बाहुबली इतिहास, पुरातत्त्व एवं कला

बारंबार प्रणाम - श्री पं. हीरालाल जैन -----	१
भगवान बाहुबली-महामस्तकाभिक मंगलानुष्ठान एक पृष्ठ भूमि - डॉ. निजामुद्दीन -----	२
प्रथम मोक्षगामी व विद्रोही बाहुबली - श्री प्रवीणचन्द्र चाबड़ा -----	७
मस्तकाभिषेक-महामस्तकाभिषेक - श्री रवीन्द्र जैन -----	११
भगवान बाहुबली-महामस्तकाभिषेक एक रिपोर्टाज - कुमारी प्रीति जैन-----	१२
श्रवण बेलगोल और नारी - डॉ. श्रीमती शान्ता भानावत -----	१६

प्राचीनतम जैन कलारत्न - श्री शैलेन्द्रकुमार रस्तोगी -----	२१
श्रवणबेलगोल का धार्मिक एवं सामाजिक महत्त्व - डॉ. श्री नरेन्द्र भानावत -----	२४
शासन देव पूजा मिथ्यात्व - श्री बिरधीलाल सेठी -----	३२
मथुरा के जैन पुरातत्त्व-अवशेष - श्री गणेशप्रसाद जैन -----	३४
मंत्र शक्ति कोरी कल्पना - श्री फतहचन्द सेठी -----	४०
जैन सिद्धान्त और हम - पं. श्री राजकुमार शास्त्री -----	४२
तृतीय खण्ड - साहित्य और संस्कृति	
कूटस्थ श्रुत केवली आचार्य कुन्दकुन्द - प्रो. श्री रंजन सूरिदेव-----	१
अमृतचन्द्र की देन - श्री कैलाशचन्द्र शास्त्री -----	५
असद्भूत व्यवहार नय वस्तु धर्म का प्रतिपादन - श्री रतनचन्द जैन -----	९
प्राकृत भाषा एवं आधुनिक भाषा - डॉ. प्रेसुमन जैन -----	१३
संस्कृति की दो धारायें - डॉ. बी.सी. जैन -----	१७
चार्य कुन्दकुन्द के प्राकृत साहित्य का सूफईवाद और रहस्यवाद पर प्रभाव - डॉ. दामोदर शास्त्री -----	१९
अपभ्रंश एवं हिन्दी जैन साहित्य में शोध के नये क्षेत्र - डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल -----	३२
उत्तर पुराण कालीन सामाजिक जीवन - डॉ. प्रेमचन्द जैन -----	३९
क्षपक का समाधिकरण क्षपक व आराधक की समानार्थकता - पं. बालचन्द शास्त्री -----	४५
भारतीय दर्शनों में मोक्ष चिंतन - डॉ. उदयचन्द्र जैन -----	५४
चतुर्थ खण्ड - सेवा-संस्थाये	
उत्तर भारत का एक आकर्षक जैन केन्द्र - श्री प्रतापचन्द्र जैन -----	१
आज का युग - श्री श्रेयांस जैन-----	६
इनकी पवित्रता को बचिये - श्री बुद्धिप्रकाश भास्कर -----	७
कैसी संस्थाये कैसा काम - श्री राजेश सोगाणी -----	९
धर्म की प्रभावना कैसे करें - श्री बंशीधर शास्त्री-----	१३
राजस्थान की कतिपय संस्थाये - श्री अक्षय जैन -----	१७
पंच कल्याणक महोत्सव - श्री के.सी. जैन -----	२०
आरोग्य का मूर्तिमान स्वरूप जैनाचार्य - श्री बाबूलाल जैन -----	२२
पंचम खण्ड - नई प्रतिमा	
महावीर का कर्म सिद्धान्त - कुमारी मंजू भाइचूर -----	१
महावीर का अहिंसा सिद्धान्त - कुमारी मंजू भण्डारी -----	४
शुद्ध भाव बनाम साम्य भाव - श्री कैलाश मलैया -----	७
महावीर का दिग्दर्शन - श्री भानु जैन -----	१२
Jain Culture - Shri Arhan Mukesh Jain -----	12
महावीर के जन्म दिवस की बेला आई - सुश्री हेमलता जोहरापुरकर -----	१३

भगवान गोमटेश्वर का महामस्तकाभिषेक तथा संत समागम और वैयावृत्य – श्री योगेन्द्र कुमार-----	१४
केवल ३१ बात सीखें – पू. प्रवचनमतीजी -----	२०
English Contents	
The Concept of Dharma in Jainism – Dr. Harnendra Pd. Verma -----	1
Leshyas : Thought Forms and colours – Shri Virendra Veer Baj -----	10
Accounting of our actions in Jainology – Shri R. C. Sethi-----	16
Date of Constructions Jain Keertistambh of Chittor – Shri Ram Vallabh Somani -----	19